

जीवन विद्या न्यास विज्ञान
गोविंद प्रसाद

जीवन विद्या न्यास
कार्यवाही पंजीका

व्यवस्थापिका
न्यास परिवार सभा

जीवन विद्या न्यास पृष्ठश्रुति

विभिन्न मार्गों से होते हुए हम मध्यस्थ दर्शन तक पहुँचे। यहाँ जाकर अपने अधूरेपन पर ध्यान गया, साध की पूरा होने का भी विश्वास जगा, सर्वशुभ, मानवीय परम्परा, मानवीय व्यवस्था की आवश्यकता संभावना दिखी। इस सबको समझने, जीने एवं साकार करने के क्रम में कार्तिक पूर्णिमा वि० सं० २०५० तदनुसार २९ नवम्बर १९९३ को जीवन विद्या न्यास की स्थापना की गई, १ मार्च १९९४ को नई दिल्ली में इसका पंजीकरण (रजि० नं० ११६८/१४/२३-३१/२०१२/०५-०३-१९९४) हुआ तथा पंजीकृत कार्यालय १७०, ३१२वली अपार्टमेंट अलखनन्दा नई दिल्ली ११००१९ को बनाया गया, पंजीकरण के साथ ही स्थाई लेखा सं० PERMANENT ACCOUNT NUMBER-AAAAJ02756 तथा आधिकार कार्यालय से १२४ तथा ८० रु में भी पंजीकरण मिल गया। न्यास व सत्रितियों के पंजीकरण एवं उन कानूनों से कुछ उल्लंघन भी बनी, लेकिन आज की परिस्थिति में सार्वजनिक सम्पत्ति का सदुपयोग- सुरक्षा, व्यवस्था की दृष्टि तथा उसके सकारात्मक पक्ष को ध्यान में रखते हुए न्यास की स्थापना हुई। न्यास की कार्य-पृष्ठांशों में आपसी विश्वास, सम्मान, मैत्री निश्चित हुई, विगत १३ वर्षों में इस अर्थ में हम सफल रहे।

इस सारे प्रयास में श्रद्धेय अग्रधर नागराज जी, अग्रकेतु तथा श्रद्धेय प्रशपाल सत्य जी की प्रेरणा- मार्गदर्शन रहा। श्रद्धेय प्रशपाल सत्य न्यास एवं संश्लेष दर्शन-योजना- कार्यक्रम के स्तम्भ बने। डॉ० संजीव जैन की प्रौढ न्यास के स्थाईत्व में निमित्त बनी, उनका सहयोग प्रेरक रहा। न्यास के संस्थागत कार्यक्रम एवं उसकी मूल भावना का सम्मान बना रहे, इस हेतु डॉ० रणसिंह अर्थ सदैव प्रयत्नशील रहे। आई माधन मटलवार्य जी, डी जगेश बागडिया जी एवं डी आर के शारदा जी का भी सहयोग उपलब्ध रहा। गौबिन्दपुर बिजनौर में न्यास की गतिविधि प्रारम्भ कराने में सरदार अर्जुन सिंह जी व डी प्रशान्त मधर्षि जी निमित्त बने। २५ फरवरी २००७ को न्यास की दूसरी कार्यवाही पंजीकृत प्रारम्भ

ए. सिंह भाष

की जा रहे हैं। पहली पंजीका मार्च 1993 से शुरू हुई थी। पंजीकरण से लेकर अभी (25.02.07) तक जीवन विद्या न्यास विलेख (JIVAN VIDYA TRUST DEED) में सर्वसम्मति से अनुमोदित सहित निम्न संशोधन (AMMENDMENT) हुए।

(1) जीवन विद्या न्यास का पंजीकृत कार्यालय (Regd. Office) 170, अरावली अपार्टमेंट्स अलखनन्दा नई दिल्ली - 110019 है स्थान पर बी-5, स्वतन्त्रता सेनानी रॉकलैव, नैव नाराय, नई दिल्ली - 110068 बनाया गया, संस्थापिका मंथा 08.08.96 प्रस्ताव संख्या (i)

(2) संपाजक को सचिव (Secretary) भी कहा जायेगा, संस्थापिका एवं व्यवस्थापिका मंथा 16-04-2000 प्रस्ताव संख्या (3)

(3) आजीवन न्यासी. न्यास में आजीवन न्यासियों को एक ही प्रकार तय किया गया। आजीवन न्यासियों के अधिकार एवं कर्तव्य संस्थापक न्यासियों के समान ही होंगे, संस्थापिका एवं व्यवस्थापिका मंथा 16-04-2000 प्रस्ताव संख्या (4)

(4) जीवन विद्या न्यास एवं जीवन विद्या न्यास की व्यवस्थापिकाएं अलग-अलग बनाई जाएं, जीवन विद्या न्यास परिवार मंथा 18-11-2000 प्रस्ताव संख्या (5).

(5) जीवन विद्या प्रतिष्ठान को अंग्रेजी में (JIVAN VIDYA PRATISH - THAN) कहा गया, अब अंग्रेजी में JIVAN VIDYA FOUNDATION भी कहा जायेगा, जीवन विद्या न्यास परिवार मंथा 15-04-2001 प्रस्ताव संख्या (2)

(6) जीवन विद्या प्रतिष्ठान की अलग व्यवस्थापिका बनाने की प्रक्रिया प्रारम्भ की जाए, जीवन विद्या प्रतिष्ठान स्वायत्त ढंग से कार्य करेगा लेकिन न्यास के लक्ष्य एवं कार्यक्रम की शूल भावना का उसे ध्यान रखना होगा, अनिर्णय, वाद-विवाद एवं यदि ऐसा लगे कि वह न्यास की शूल भावना से दूर रहा है तो न्यास का निर्णय उसे मान्य होगा। जीवन विद्या न्यास परिवार मंथा 29.05.2002,

रु. मिहंशा

5 दिसंबर	प्रस्ताव संख्या (1)
गान्यास भाली से	(1) शिव आत्मज्ञ श्री एस. पी. शिवारतन (गोविन्दपुर - खारी (झारखंड) जिला - बिजनौर उ.प्र. - 246728) संस्थापक न्यासी के कार्यकलाप
7) दुरा। पुष्पा)	न्यास की गरिमा के अनुरूप नहीं रहे तथा गत 5 वर्षों से वे न्यास की गतिविधियों में भी निष्क्रिय रहे, इसीलिए उनको संस्थापक
110019 के	न्यासी से हटाये जाने का प्रस्ताव सर्वानुमति से स्वीकृत हुआ।
सराय,	अगली बैठक में अनुमोदित हुआ। न्यास परिवार सभा 29.05.2002
8.08.96	प्रस्ताव संख्या (2)
संस्थापिका	(2) स्वतन्त्रता सेनानी श्री पशवन्त कुमार 'सिन्धु', ग्राम - झिंगौदा, जिला - सतना (म.प्र.) संरक्षक न्यासी का देहावसान 91 वर्ष की
उ	आयु में 21 जनवरी 2005 को हो गया। न्यास परिवार सभा ने
रक और	उनके सद्योग के कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करते हुए अंदांजलि अर्पित
रखें	की। न्यास परिवार सभा 23.10.2005 प्रस्ताव संख्या (1)
गणिका रखें	(3) व्यवस्थापिका की वर्ष में न्यूनतम चार बैठक का निम्न स्थापित
वस्थापिकाएं	किया जा रहा है, अब आवश्यकतानुसार बैठक की जायेगी, न्यास
ग। 8-11-2000	परिवार सभा 29.10.06 प्रस्ताव संख्या (1)
A PRATISH	(4) संस्थापक न्यासी (संस्थापिका), संरक्षक न्यासी (संरक्षिका) एवं
ADAMATION	सदस्य न्यासी की अलग-अलग व्यवस्थाएं व्यवहारिक नहीं हो
- 2001	पा रही हैं। ये अलग-अलग न्यासी वर्ग तो रहेंगे लेकिन संस्थापिका, संरक्षिका भंग की जा रही है। अब सभी प्रकार के न्यासी व्यवस्थापिका
	में लिए जा सकेंगे। जीवन विद्या न्यास परिवार सभा 29.10.2006
	प्रस्ताव संख्या - (2)
की प्रक्रिया	(1) न्यास परिवार सभा एवं व्यवस्थापिका दोनों में गणपूर्ति सदस्यों की
ने कार्य	संख्या का एक तिहाई होगी, जीवन विद्या न्यास परिवार सभा
का उसे	29.10.2006 प्रस्ताव संख्या - (3)
लगे कि	(2) न्यास का पंजीकृत कार्यालय अब बी-5, स्वतन्त्रता सेनानी एनक्लेव
का निर्णय	नैव सराय, नई दिल्ली - 110019 के स्थान पर आर. जेड. - 7 रुच-
29.05.2002,	ब्लॉक, संगम चौक, वेस्ट सागरपुर, नई दिल्ली 110046 होगा।
	रु. मिहें कार्य जीवन विद्या न्यास परिवार सभा 29.10.06 प्रस्ताव सं (4)
(2)	(3)

न्यासीसंस्थापक न्यासी -

- (1) श्री अग्रहार नागराज शर्मा - विद्य पथ संस्थान, अगरलेंटक, जिला -
शहडोल, म० प्र० - 484886
- (2) सरदार अर्जुन सिंह समद शर्मा - गौबिन्दपुर - खारी, बिजनौर, उ० प्र०
- संस्थापक न्यासी

(1) डा० रणसिंह आर्य

- (1) डा० संजीव जैन 36, वैशाली, आई. आई. टी. हौगस्सास, नई दिल्ली - 16
- (2) डा० रणसिंह आर्य, गौबिन्दपुर - खारी, बिजनौर, उ० प्र०, 20.67.28

आजीवन न्यासी

- (1) श्री गणेश बागडिंग, D-41, वेस्ट कैम्पस, रयच. बी. टी. आई. लानपुर,
उ० प्र०, 30.05.98
- (2) श्री प्रशान्त महर्षि, खारी हाउस, बिजनौर, उ० प्र० 24.6.01, 30.05.98
- (3) श्री आधन मल्हाचार्य - अगरलेंटक, नर्मदा मन्दिर के सामने, जिला -
शहडोल (म० प्र०), 484886, 16.04.2000
- (4) श्री अंजनी अग्रवाल, समता कॉलोनी, रायपुर (दत्तीसगढ़), 09-12-01
- (5) श्री सोमदेव त्यागी, अम्बुदय संस्थान, रायपुर (दत्तीसगढ़), 09-12-01
- (6) श्री पवन कुमार गुप्ता - हैजलबुड ऑटो, लैण्डोर कैण्ट, देहरादून (उत्तरांचल) 09.12.01
- (7) प्रो० नृपतिराज जोड़, आई. आई. टी., नई दिल्ली - 09-12-01
- (8) प्रो० सन्तोष सत्या, आई. आई. टी., नई दिल्ली - 09-12-01
- (9) सुडी शारदा शर्मा जी - विद्य पथ संस्थान, अगरलेंटक (उ० प्र०) - 02.02.02
- (10) श्री राममल्लिच यादव, पाली, जिला - बरेली (दत्तीसगढ़) 02.02.06

सदस्य न्यासी

- (1) श्री श्याम सिंह माई, ग्राम व पो० - रहमलपुर, जिला - मु० नगढ़ (उ० प्र०)
- (2) श्री विजयपाल सिंह, अधिशासी अध्यक्ष, धामपुर श्रृंगर मिल्स, धामपुर
जिला - बिजनौर (उ० प्र०)
- (3) डा० सतीश मोरा, 7/3 पूर्वी ज्योतिनगर, क्लानिकेल्न स्कूल के सामने
दिल्ली - 93

र. सिंह आर्य

(4) श्री महाराज सिंह, ग्राम न पो० - रशीदपुर, जदी. बिजनौर (उ० प्र०); -

जिला -

246701

(5) श्री देशपाल गोविन्दपुर खारी, बिजनौर, उ० प्र०. 246726

र, उ० प्र०

(6) श्री प्रतीक सिंह, अग्रवाल मण्डी, टटीरी, जिला बागपत

(7) डा० सन्दीप पाण्डेय, A-893, इंदिरा नगर, लखनऊ (उ० प्र०), 226016

वेल्ली - 16

28

उ० लानपुर,

30.05.98

जिला -

9-12-01

9-12-01

अंतराक्षर) 09.12.01

09.02.02.02

06

उ० प्र०)

धामपुर

के सामने

(4)

(5)

न्यास परिवार सभा

ज्ञान दिनोंक 25 फरवरी 2004, रविवार को सायं 6:00 बजे जीवन विद्या न्यास परिवार सभा की बैठक जनता इण्टर कॉलेज पलड़ी में हुई। इस बैठक में अध्यक्ष अग्रहार बागडिया जी का मानिद्वय रहा, बैठक की अध्यक्षता श्री गणेश बागडिया जी कानपुर तथा संयोजन श्री रणसिंह जर्प ने लिया। इस बैठक में निम्न प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुए -

1. श्री रामजी आर्जि नामिक महाराष्ट्र को संरक्षक न्यासी बनाया गया।
2. श्री रामसिंह आर्जि महाराष्ट्र मुजफ्फर नगर का स्वास्थ एवं माधु ऐसी ही गई है कि न्यास की गतिविधियों में सहभागी नहीं बन पा रहे हैं। श्री संदीप पाठे जी की पिछले कई वर्षों में न्यास कार्यों में अपना समय नहीं दे पा रहे हैं। इसी प्रकार श्री विजयपाल जी धामपुर का स्थानान्तरण सीतापुर हो जाने के कारण वह भी समय नहीं दे पा रहे हैं। इन सबके सहयोग के प्रति आभार प्रकट किया गया एवं इनके स्थान पर निम्न के सदस्य न्यासी बनाया गया है।

- ① श्री भारतप्रकाश व्यागी, बीहटा बुलन्दशहर (3050)
- ② श्री ताराचंद्र पाठे, गैलरी (पाठे शैला), चनौदा, अल्मोड़ा (उत्तरांचल)
- ③ डा० प्रकाश, बीना प्रबुध हॉस्पिटल, मिथिला लाइन बिजनौर (3050)

3. न्यास व्यवस्थापिका का नया गठन निम्नतल हुआ -

- ① प्रधान श्री मोहन भट्टाचार्य अमरकंटक 3050
- ② उप प्रधान श्री पवन कुमार गुप्ता सिंह मधुरी (उत्तरांचल)
- ③ संयोजक श्री योगदेव व्यागी, अभ्युदय संस्थान, अदौली (दक्षिणगढ़)
- ④ सह-संयोजक श्री ताराचंद्र पाठे, अल्मोड़ा (उत्तरांचल)
- ⑤ कोष संभालक श्री प्रशान्त महर्षि, बिजनौर (3050)
- ⑥ सदस्य : प्रो० आर. आर. गौड़ आई. आई. टी. दिल्ली

ii श्री गणेश बागडिया, कानपुर 3050

iii श्री रणसिंह जर्प पलड़ी, बागपत 3050

4. न्यास एवं प्रलिखन के सभी श्रवण पूर्वक नामों से संचालित होते रहेंगे (जीवन विद्या न्यास, एस. बी. आई. आई. आई. टी.)

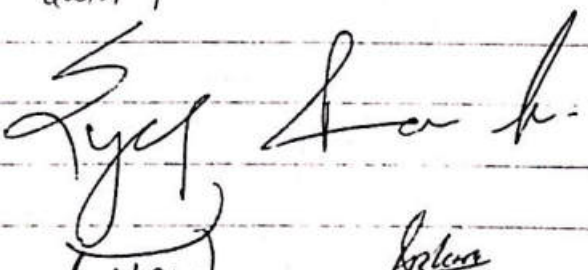
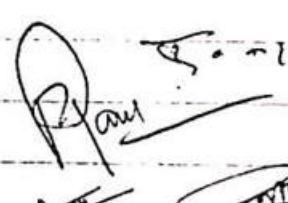
- जीवन विद्या में 25, योजना 100 प्रतिशत) को संचालन प्रोग्राम. फंड. गौड़ एवं श्री श्रीपाल जी, जीवन विद्या प्रतिष्ठान/फाउंडेशन पी. एन. बी. बिजनौर. श्री रणसिंह वर्मा एवं श्री प्रशान्त महर्षि तथा जीवन विद्या न्यास, लैंड बॉर्डर, बड़ोदा, सदर बाजार बिजनौर श्रीरामलाल धार्ष एवं श्री प्रशान्त महर्षि द्वारा)
5. सर्वप्रथम अभिषेक एवं उसके लक्ष्य में श्री सेवाद यात्रा मध्यस्थ दर्शन (जीवन विद्या) द्वारा संचालित अभिषेक का साक्षात्कार रहीं। श्री जिज्ञा से हमने जुड़ने का आग्रह किया गया तथा शेष साधियों के समूह लिये आंगनजित किया जाये।
6. जीवन विद्या न्यास गौविन्दपुर स्वामी बिजनौर (जीवन विद्या प्रतिष्ठान : गौविन्दपुर) के देखरेख के जिम्मेदारी श्री स. मरपाल सिंह गौजीपुर एवं श्री तेजपाल सिंह रामपुर को सौंपी गई। गौविन्दपुर न्यास श्री आगामी दो वर्षों के लिये 70,000/- रुपये (35,000/- रुपये वार्षिक की दर) पर श्री तेजपाल सिंह, रामपुर नौआवाड़ को दी गई, मिथ्या की व्यवस्था श्री (स्वर्ण) श्री तेजपाल जी स्वयं देखेंगे।

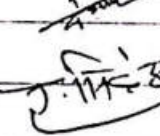
(संकेत)

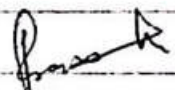
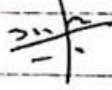
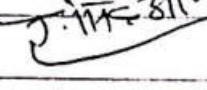
30/09/00

2)

सिखग)


(नाथन)  

संचालित
आई. टी.